समावेशी और विकास पर केंद्रित सर्वांगीण बजट : प्रो. कांकाणी

राज्य में उद्योगों के विकास के सामने आ रही बाधाओं को किया गया दूर :आईआईएम निदेशक

राज्य सरकार अपने नागरिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित कर रही

छत्तीसगढ़ के युवाओं को उच्च स्तरीय जॉब के अवसर प्राप्त हो सकेंगे

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. रामकुमार कांकाणी का कहना है कि आज पेश किया गया सीजी बजट राज्य की समावेशिता और विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाला एक सर्वांगीण बजट है। औद्योगिक विकास पर विशेष जोर देने के साथ, राज्य में औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 23 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं, जो मुख्य रूप से उद्योगपतियों के लिए उन बाधाओं को दूर करने पर केंद्रित है, जो राज्य में उनके विकास को रोक रही थीं। इसके अलावा, हवाई अड्डे के विकास के लिए 40 करोड़ का प्रावधान बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देता है, जो उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और व्यापार करने में आसानी में सुधार करेगा। प्रदेश में आईआईएम रायपुर, आईआईटी भिलाई, एनआईटी रायपुर जैसे प्रमुख संस्थानों के अस्तित्व

के साथ-साथ रायपुर में निफ्ट की घोषणा, राज्य को प्रबंधन प्रौद्योगिकी और रचनात्मकता से संबंधित कौशल के साथ राष्ट्र के लिए कौशल केंद्र के रूप में बदलने में मदद करेगा। तीसरा, बजट में पक्के घर बनाने के लिए 875 करोड़ रुपए और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए 330 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जिससे पता चलता है कि राज्य सरकार अपने नागरिकों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित कर रही है और सभी के लिए समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बजट स्पष्ट रूप से तेज आर्थिक विकास की दिशा में राज्य की प्रगति को उजागर करता है और राष्ट्र के विकसित भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

आईआईएम एवं आईआईटी के साथ मिलकर ऑन द जॉब ट्रेनिंग

सरकारी विभागों की कार्य कुशलता बढ़ाने, डाटा प्रबंधन को सशक्त बनाने और डिजिटल नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य के उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थानों के साथ मिलकर सीएम सुशासन फेलोशिप योजना आरंभ की जा रही है। इसके लिए इस बजट में 10 करोड़ प्रावधान किया गया है। यह संभवतः पूरे देश में इस तरह का पहला प्रयास है कि आईआईएम एवं आईआईटी के साथ मिलकर ऑन द जॉब ट्रेनिंग शामिल करते हुए दक्ष मानव संसाधन तैयार किए जाएंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को उच्च स्तरीय जॉब के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।

Navbharat (My City), 04 March, 2025, P.06